

भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1186 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 6 फ़रवरी, 2026/17 माघ, 1947 (शक) को दिया जाना है

पत्तन संचालन क्षमता में वृद्धि

1186. श्री लुम्बाराम चौधरी:

श्री दिलीप शङ्कीया:

श्री आलोक शर्मा:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्रीमती कमलेश जांगड़े:

श्री प्रवीण पटेल:

श्री शंकर लालवानी:

श्री शशांक मणि:

श्री जनार्दन मिश्रा:

श्री नव चरण माझी:

डॉ. संजय जायसवाल:

क्या पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने वर्तमान पोत संचालन क्षमता को 2047 तक 180 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तक बढ़ाने के लिए चरणबद्ध रोडमैप तैयार किया है;
- (ख) यदि हां, तो 2025 तक हासिल किए गए लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान पोतवार क्षमता संवर्धन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) पोत संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा बनाई जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क), (ख) और (घ): जी हाँ। मंत्रालय द्वारा भारतीय पत्तन प्रहस्तन क्षमता को वर्तमान स्तर से बढ़ाकर 2047 तक लगभग 10,000 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) करने के लिए क्रमशः 2030 और 2047 के लिए रोडमैप के रूप में मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030 और मैरीटाइम अमृत काल विज़न 2047 तैयार किए हैं। 31.03.2025 को भारतीय पत्तन कार्गो प्रहस्तन क्षमता 2771 एमटीपीए तक पहुंच गयी है।

(ग): गत पांच वर्षों के दौरान महापत्तनों में शुरू की गयी क्षमता संवर्धन परियोजनाओं की पत्तन- वार सूची अनुबंध-1 पर है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान महापत्तनों में की गई क्षमता संवर्धन परियोजनाओं की पत्तन- वार सूची

क्रम सं.	महापत्तन	परियोजना
1	दीनदयाल पत्तन	ओल्ड कांडला पर तेल जेट्टी सं. 7 का निर्माण
2		ओल्ड कांडला पर तेल जेट्टी सं. 8 का निर्माण
3		द्रव्य कार्गो प्रहस्तन क्षमता में वृद्धि ख. तेल जेट्टी क्षेत्र, कांडला में पाइपलाइन परियोजना की प्रतिस्थापन और नवीनीकरण
4		टूना-टेकरा, दीनदयाल पोर्ट पर पीपीपी मोड के अंतर्गत बीओटी आधार पर कंटेनर टर्मिनल का विकास
5		बीओटी आधार पर ओल्ड कांडिया में तरल कार्गो को संभालने के लिए तेल जेट्टी और पोत बंकरिंग टर्मिनल का विकास
6		कैप्टिव उपयोग के आधार पर ओओटी, वाडीनार, कांडला पत्तन पर केपीटी जल क्षेत्रों में एसपीएम और दो उत्पाद जेट्टी युक्त समुद्री तरल टर्मिनल सुविधाओं का विकास
7		पीपीपी के अंतर्गत बीओटी आधार पर कांडला में कांडला क्रीक के बाहर बहुउद्देशीय कार्गो (कंटेनर / तरल के अलावा) बर्थ ऑफ टूना टेकरा का विकास
8		यांत्रिकीकरण के लिए डीपीए में 100टी के 04 और उससे अधिक क्षमता वाले एचएमसी की खरीद और तैनाती
9	मुंबई पत्तन	मुंबई बंदरगाह में जवाहर द्वीप पर 5वीं तेल जेट्टी का निर्माण।
10		मुंबई अंतर्राष्ट्रीय कूज टर्मिनल का निर्माण
11		पीरपऊ में तीसरे केमिकल बर्थ का निर्माण
12		मलेत बंडर पर न्यू फिश जेट्टी का निर्माण
13		जवाहर द्वीप पर दक्षिण पश्चिम कोव का पुनरुद्धार
14		डीप सेकंड कैमिकल बर्थ (एससीबी) और इसका अप्रोच चैनल
15		एससीबी से टीसीबी तक नौवहन चैनल को 10.50 मीटर सीडी तक गहरा करना।
16	जवाहरलाल नेहरू पत्तन	चौथे कंटेनर टर्मिनल (चरणII) के माध्यम से क्षमता में वृद्धि और भारत मुंबई कंटेनर टर्मिनल का विस्तार
17		अतिरिक्त तरल कार्गो टर्मिनल का विकास
18		वधावन में नए मेगा पोर्ट का विकास

19		ईपीसी मोड पर बर्थ सं.9 का विकास
20	मुरगांव पत्तन	अप्रोच मार्ग को (-) 14.40 मीटर से (-) 19.80 मीटर और बर्थ बेसिन को गहरा करने के लिए मुख्य ड्रेजिंग।
21		वास्को खाड़ी में तटीय कार्गो बर्थ
22	नव मंगलुर पत्तन	डीप ड्राफ्ट बर्थ सं. 14
23		मल्टी यूजर तरल टर्मिनल का निर्माण
24	कोचीन पत्तन	रसायनों की हैंडलिंग के लिए कोचीन पत्तन पर दक्षिण कोल बर्थ का पुनर्निर्माण
25		प्रोपलीन और अन्य कार्गो के संचालन के लिए रो-रो सुविधाओं का विकास
26	चेन्नई पत्तन	बंकर बर्थ का विकास
27		रो-रो विकास टर्मिनल सह जीसीबी-2 का विकास
28	कामराजार पत्तन	आईओसीएल कैप्टिव जेट्टी का निर्माण
29		कंटेनर टर्मिनल चरण 1 स्तर2 का निर्माण
30		30 वर्षों की अवधि (पीपीपी) के लिए डीबीएफओटी आधार पर कंटेनर टर्मिनल के रूप में 9वें बर्थ का अंतरण
31	वी. ओ. चिदंबरनार पत्तन	14.20 मीटर ड्राफ्ट तक के जलयानों को संभालने के लिए एनसीबी के सामने ड्रेजिंग
32		डीबीएफओटी आधार (पीपीपी) पर वीओसी पत्तन पर शुष्क बल्क कार्गो को संभालने के लिए उत्तरी कार्गो बर्थ-III (एनसीबी-III) का मशीनीकरण
33		कोयला जेट्टी-1 का उन्नयन और इसका मशीनीकरण
34		वीसीटीपीएल का विस्तार
35		ओआर-I,II और III की क्षमता उपयोगिता में सुधार
36	विशाखापट्टणम पत्तन	मौजूदा ईक्यू-6 बर्थ का विकास और मशीनीकरण
37		मौजूदा डब्ल्यूक्यू-6 बर्थ का नवीनीकरण
38		ईक्यू-1ए का विकास और मशीनीकरण
39		वीओटी आधार पर पारादीप पत्तन पर कंटेनरों सहित स्वच्छ कार्गो को संभालने के लिए मल्टीपर्स बर्थ का विकास।
40	पारादीप पत्तन	वीओटी आधार पर पारादीप पत्तन पर लौह अयस्क निर्यात के लिए नए लौह अयस्क बर्थ का विकास
41		वीओटीआधार पर पारादीप पत्तन पर कोयला निर्यात को संभालने के लिए ईक्यू-1,2,3 बर्थ का मशीनीकरण

42		बीओटी आधार पर पारादीप पत्तन पर कोयला आयात को हैंडल करने के लिए नए कोयला बर्थ का विकास
43		कार्यान्वयन जलयानों के अंतर्गत केप आकार परियोजनाओं के संचालन के लिए बॉट आधार पर पश्चिमी डॉक के विकास सहित आंतरिक बंदरगाह सुविधाओं का गहरा और अनुकूलन
44	श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन	एचडीसी में तीसरे आरएमक्यूसी की संस्थापना
45		एचडीसी में आउटर टर्मिनल-2 को चालू करना
46		पीपीपी मोड-चरण-1 के अंतर्गत केपीडी- II (पश्चिम) का पुनरूद्धार
47		बर्थ नं. 8 का पुनर्निर्माण और बर्थ 7 और 8 एनएसडी का मशीनीकरण
48		बज बज में तरल कार्गो संचालन के लिए कंक्रीट जेट्टी और अन्य सुविधाएं
49		केडीएस में बर्थ सं.1 एनएसडी, 2 एनएसडी, 3 एनएसडी, 4 एनएसडी, 5 एनएसडी और आउटर टर्मिनल का एकीकृत विकास
50		कैप्टिव आधार पर केपीडी- II(पश्चिम) में सीमेंट बल्क टर्मिनल का विकास
51		बालगढ़ में पीपीपी मोड के माध्यम से डीबीएफओटी आधार पर कंटेनर और कोयला बर्थ
52		डीबीएफओटी पर मल्टी-मॉडल हब के रूप में केपीडी-II का विकास
53		एचडीसी में बर्थ सं. 2 का मशीनीकरण
54		एचडीसी में बर्थ सं. 5 का मशीनीकरण
55		एचडीसी में बर्थ सं.11 और 12 के साथ मल्टीपर्पस आउटर टर्मिनल
56		पीपीपी पर एचडीसी में बर्थ 9 और 10 का मशीनीकरण
57		डायमंड हार्वर में तीसरी फ्लोटिंग क्रेन की स्थापना
58		एचडीसी (चरण-1) में सल्लुखाली में एलएनजी एफआरएसयू की स्थापना
